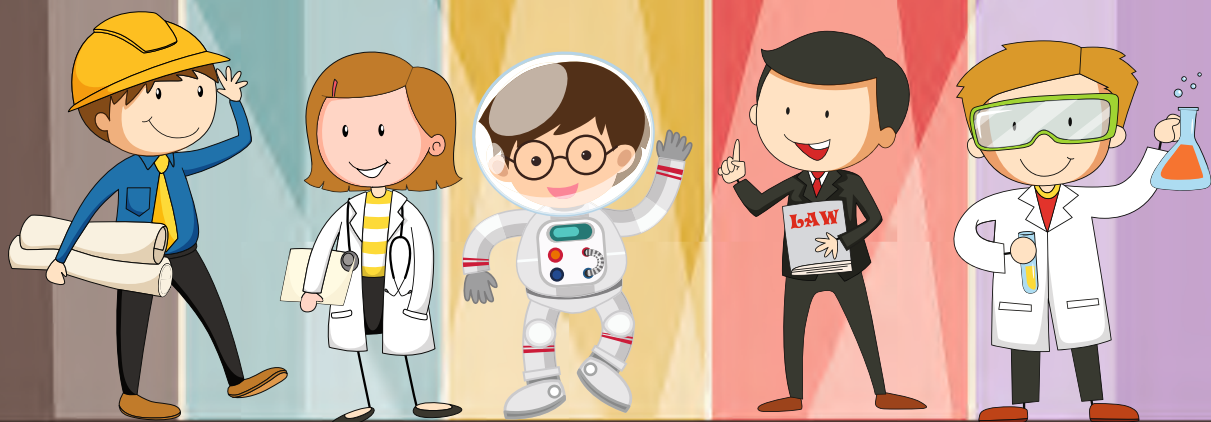


# LOOK N LEARN

## CHILDREN'S JAIN MAGAZINE

10<sup>th</sup> November 2020 Every Fortnight English, Hindi & Gujarati



If we say **YES**  
**THEN!**  
**How?**  
**Let's see**



## Why is Arham sad?



Didi : Jai Jinendra kids,  
Arham why are you sad?

दीदी : जय जिनेन्द्र बच्चों,  
अर्हम तुम इतने उदास क्यों हो ?

Arham : Didi nothing is ok! I am in total confusion with my career

Didi : Why career ?

अर्हम : दीदी मैं मेरे व्यवसाय को लेकर पूरी तरह से भ्रमित हूँ...

दीदी : व्यवसाय क्यों ?



Arham : Didi my mother wants me to be a doctor as she feels doctors can help people to get rid of their pain and hence it is a career where you can show compassion towards all living beings and serve humanity as well.

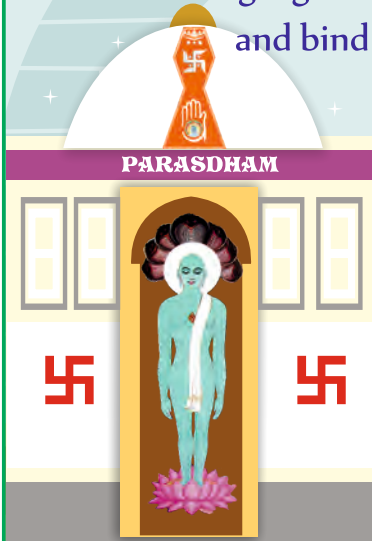
Didi : Yes she is right, what's the confusion then?

अर्हम : दीदी मेरी माँ चाहती है की मैं एक डॉक्टर बनू क्योंकि डॉक्टर सभी का दर्द दूर करते है। इससे सभी जीवो के प्रति दया और करुणा के भाव होते है और मानवता की सेवा करने का मौका भी मिलता है।

दीदी : बात तो सही है! तो तुम्हे क्या भ्रम है ?



Arham: My daddy wants me to become an architect as he thinks I can build or design great upashrays and temples where people can do sadhana and bind good deeds.



अर्हम : मेरे पिताजी चाहते हैं की मैं वास्तुकार बनूँ और सुन्दर उपाश्रय और मंदिर की डिज़ाइन बनाऊ। ऐसे पवित्र स्थान में सभी अपनी साधना करेंगे और पुण्य कर्म बाँधेंगे।

Didi : Yes that's also a good thought.

दीदी : यह भी बहुत अच्छी सोच है।



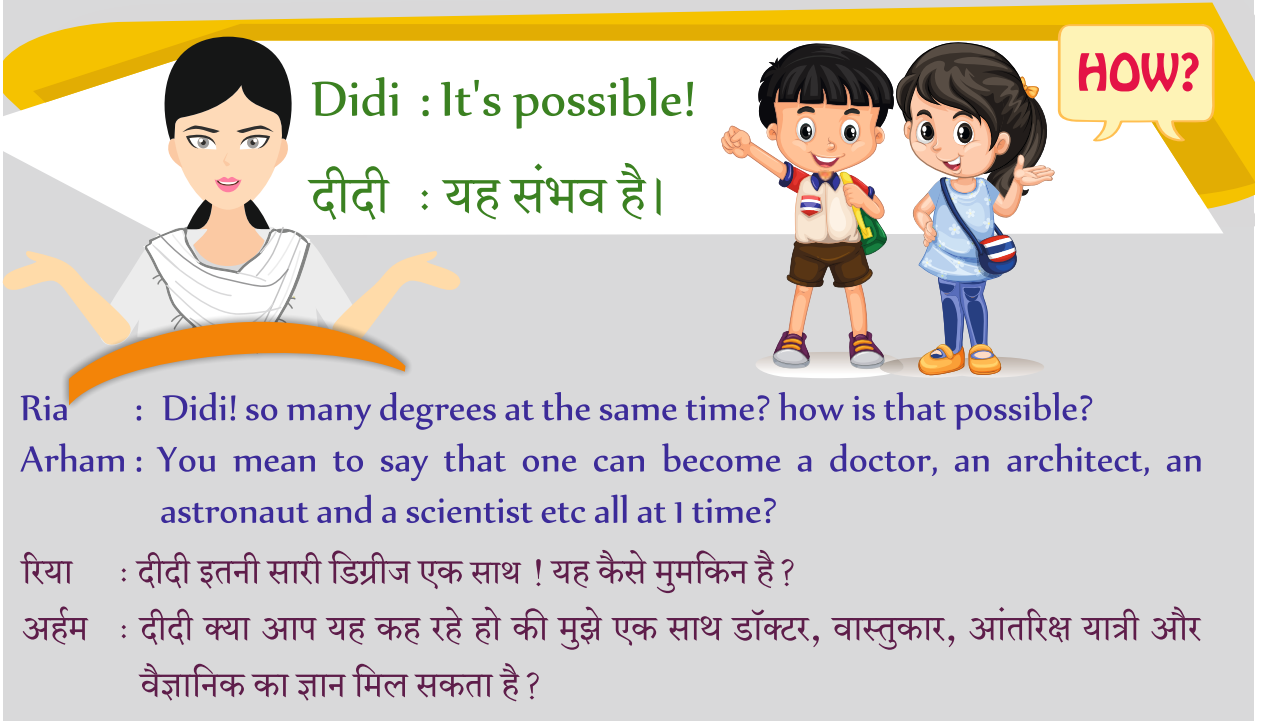
My grandparents wants me to become an astronaut or scientist where-in I can do new researches and contribute to the progress of my country. I am so confused!

मेरे दादा दादी चाहते हैं कि मैं एक आंतरिक्ष यात्री बनू या वैज्ञानिक! जिससे मैं नयी नयी खोज करू और देश की उन्नति में योगदान दूँ। इस कारण मैं पुरी तरह से भ्रमित हूँ।



I do not want to upset anyone's feelings, I want to honour them all! But that's not possible! One can have only 1 degree in one lifespan. How can one be committed to all degrees? It's not possible!

मुझे किसीको दुःखी नहीं करना है, सबका मान रखना है। लेकिन इस जीवन में, मैं सब डिग्रीज करू यह कैसे संभव है ?



Didi : It's possible!

दीदी : यह संभव है।

HOW?

Ria : Didi! so many degrees at the same time? how is that possible?

Arham : You mean to say that one can become a doctor, an architect, an astronaut and a scientist etc all at 1 time?

रिया : दीदी इतनी सारी डिग्रीज एक साथ ! यह कैसे मुमकिन है ?

अर्हम : दीदी क्या आप यह कह रहे हो की मुझे एक साथ डॉक्टर, वास्तुकार, आंतरिक्ष यात्री और वैज्ञानिक का ज्ञान मिल सकता है ?

Didi : Yes why not! I would say why only a doctor or an architect or a scientist only... you can have all the possible degrees that are available globally altogether in one life span.

Arham : WHAT? HOW?

Didi : It's very simple and easy. By attaining right Knowledge that is by Kevalgnan!

Ria : What is Kevalgnan?

दीदी : हा क्यों नहीं! मैं तो कहती हूँ की सिर्फ डॉक्टर या आंतरिक्ष यात्री ही क्यों ? तुम्हे जगत की सारी डिग्रीज का ज्ञान मिल सकता है और इसी जीवन में मिल सकता है।

अर्हम : क्या! कैसा ?

दीदी : एकदम आसान है। तुम्हे केवलज्ञान पाना होगा। वही संपूर्ण ज्ञान है।

रिया : केवलज्ञान क्या है दीदी ?



**Didi** : Kevalgnan is the absolute knowledge. The one who possesses this knowledge is called a Kevalgnani. A Kevalgnani can comprehend and visualize everything in the universe at all times.



**दीदी** : संपूर्ण ज्ञान को केवलज्ञान कहते हैं। जिसके पास यह ज्ञान है उसे केवलज्ञानी कहते हैं। केवलज्ञानी विश्व के तीन काल के ज्ञान की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

**Arham** : How can we get Kevalgnan?

**अर्हम** : यह ज्ञान मैं कैसे प्राप्त कर सकूँगा ?

PAST

PRESENT

FUTURE



**Didi**: Kevalgnan is the knowledge that lies within all of us. The knowledge which has no boundaries of the past, present and future. Every soul has the ability to attain Kevalgnan.

**दीदी** : यह ज्ञान तुम्हारे भीतर ही है। इस ज्ञान से तुम भूत, भविष्य और वर्तमान काल को जान सकते हो और हर आत्मा यह ज्ञान प्रगट कर सकती है।

However it is masked/covered by karmic particles that surround the soul. Every soul has the potential to obtain kevalgnan by shedding off these karmic particles.

लेकिन अभी तुम्हारे ज्ञान पर कर्म का आवरण पड़ा है, जब तुम कर्मों की निर्जरा करोगे तब तुम्हें केवलज्ञान प्रगट होगा

Shed the Karmas and make our soul clean and pure?

कर्मों की निर्जरा कर आत्मा को शुद्ध करें?

**Didi** : Yes Ria

**दीदी** : हा रीया



Just as gold in the mine is covered by clay, we cannot see its shine but as soon as the clay is removed, we can see the brightness of gold. Similarly, when the vices are removed from our soul, the knowledge that lies within us begins to shine!

सोना जब खान में होता है तब उसपर कितनी सारी मिट्टी लगी रहती है, जिस कारण उसकी चमक दिखाई नहीं देती है। लेकिन जैसे ही उस पर से मिट्टी साफ की जाती है, सोना कितना निखरने लगता है वैसे ही हमारी आत्मा पर से कर्म के आवरण निकल जाने पर केवलज्ञान प्रगट होता है।



All our Tirthankars, Ganadhars and many other souls had attained Kevalgnan because of which their knowledge knew no bounds.

Ria : Didi if I attain Kevalgnan then will I have all the knowledge of all the degrees of the world?

Didi : Yes Ria absolutely.

Arham : Didi tell us something more about Kevalgnan.

Didi : Sure kids, I will answer all your questions one by one.



ऐसा ज्ञान हमारे तीर्थकरो को, गणधरो का और कितनी सारी आत्माओं को प्रगट हुआ है।

रिया : दीदी अगर मुझे केवलज्ञान प्रगट हुआ तो क्या मुझे सब डीग्रीज का ज्ञान प्रगट होगा ?

दीदी : हा बिलकुल।

अर्हम : दीदी केवलज्ञान के बारे में और बताओ प्लीज।

दीदी : हां क्यों नहीं ?



How can one attain Kevalgnan?  
केवलज्ञान कैसे प्रगट होता है ?

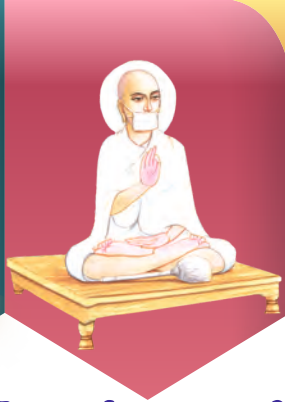
By Trusting...



DEV  
देव

GURU  
गुरु

DHARMA  
धर्म



देव, गुरु और धर्म पर सच्ची श्रद्धा रखने पर

When can one attain Kevalgnan?

केवलज्ञान कब प्रगट होता है ?



८ कर्मों में से, ४ कर्म धाती कर्म होते हैं

Out of 8 karmas,  
4 are Ghati karmas

- ❖ Gyanavarniya Karma  
ज्ञानावर्णीय कर्म
- ❖ Darshanavarniya Karma  
दर्शनावर्णीय कर्म
- ❖ Mohaniya Karma  
मोहनीय कर्म
- ❖ Antaraya Karma  
अंतराय कर्म

By Shedding 4 Ghati Karma, one can attain Kevalgnan

४ कर्म धाती कर्म क्षय होने पर केवलज्ञान प्रगट होता है



**King of  
all Karma?  
कर्मों के राजा?**



*Mohaniya Karma is the king of all Karma!*

मोहनीय कर्म सभी कर्मों के राजा है!

Moh means **illusion**, one which obscures the ability of the aatma to understand reality, and leads the aatma to the wrong path is Mohaniya Karma.

मोह मतलब भ्रम, इस कर्म का संचालन आत्मा को सत्य के मूल्यों से रोककर, असत्य का भ्रम कराता है, वह मोहनीय कर्म है।

**What type of illusions are we living in?**





Ria : Didi is all this illusion? Doesn't it belong to me?

रिया : दीदी क्या यह सब भ्रम है? क्या यह सब मेरा नहीं है?

Ria : No! Come I will tell you something about Jhanvi

दीदी : नहीं! बच्चों मैं तुम्हें जान्हवी की कहानी सुनाती हूँ।



Didi : Jhanvi was a beautiful girl. She had everything in life one would wish for... a big home, servants, money, cars, new clothes etc. She would ride in her new car and enjoy her meals at her favorite restaurants. She had ample of new toys as well. But one day all of a sudden she fell ill. She got a life threatening illness due to which she had to be hospitalized. In spite of owing all the comforts and luxuries of life, she had to spend rest of her life on the hospital bed bearing all the pain. She had to eat the food which was served at the hospital. Neither could she go out nor play.

दीदी : जान्हवी बहुत ही सुंदर लड़की थी उसके पास सबकुछ था, बड़ा घर, पैसे, नोकर, गाड़ी, नये कपड़े... रोज नयी नयी गाड़ियों में घूमने जाती और अपनी मन पसंद होटलो में खाना खाती। उसके पास बहुत सारे खिलौने भी थे। लेकिन अचानक जान्हवी को बहुत बड़ी बीमारी हो गई और वह सीधे अस्पताल पहुँच गई। आज उसके पास सब कुछ होने के बावजूद भी वह दुःखी है। उसे अस्पताल के बिस्तर पर अस्पताल का खाना मिल रहा है। वह ना तो बाहर जा सकती है न किसी को मिल सकती है।

Now tell me kids aren't all these luxuries an illusion? Everything that is temporary is an illusion. That what is permanent is truth!

Arham : Didi what is permanent?

Didi : That which exists since infinite time is permanent.

Eg. Soul. All these worldly things like car, bungalow, toys are temporary. Tell me kids can you play with any one toy for your life time? or can you wear any one dress for a long time?

Ria : No didi!

Arham : That means whatever is temporary is all illusion. When we realize the truth, we become detach from the persons, situations and things. This helps us shed our Mohaniya Karma and there by move towards attaining Kevalgnan.



अब बताओ बच्चों यह संपत्ति भ्रम नहीं तो क्या है? हर वह चीज जो क्षणीक हैं वह सब अशाश्वत हैं और भ्रम हैं। जो शाश्वत हैं वहीं सत्य हैं।

अर्हम : दीदी शाश्वत क्या है?

दीदी : शाश्वत वह हैं जो अनादी काल से है। जैसे ज्ञान और आत्मा शाश्वत है। यह गाडी, बंगला, खिलौने सब अशाश्वत हैं। वह भवो भव तुम्हारे साथ नहीं चलेंगे।

बच्चों क्या आपको आपका कोई भी एक खिलौना जिंदगी भर पसंद आएगा? क्या आप आपकी कोई मन पसंद ड्रेस ज्यादा दिन पहन पाओगे?

रीया : नहीं दीदी!

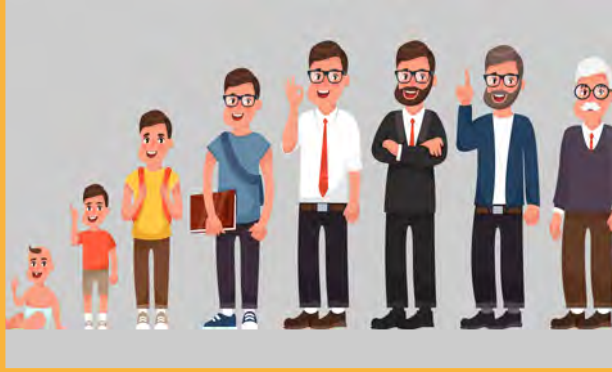
अर्हम : इसलिए जो अशाश्वत हैं वह सब भ्रम हैं। जब यह वस्तु, व्यक्ति के प्रती मोह छूट जाएगा तब मोहनीय कर्म क्षय हो जाने की संभावना हैं और तब केवलज्ञान प्रगट होने की संभावना हैं।



# Who can attain Kevalgnan?



*At any age one can attain Kevalgnan*



*Male/Female both can attain Kevalgnan*



*Do you know the speciality of our Manushya bhav?*

*Only Manushya can achieve Liberation!*

*From all the 4 Gati's-  
Dev, Manushya,  
Tiryanch and Naraki  
one can attain Kevalgnan only  
in Manushya Bhav!*



-Gurubhakt Mehta Parivar

**Let's talk about few of the people who have attained Kevalgnan!**

*Just a shift in one's feelings, a shift in one's perception, a shift towards right thinking, right direction... led these Jain heroes to the path of salvation in no time! Many of them were doing basic day to day activities as simple as... eating, wearing clothes or ornaments, thinking about future and suddenly with deep thinking they acquired the right perception and they attained Kevalgnan, the ultimate Knowledge and reached Moksh in the same birth!*

***Truely inspiring!***

**The kriya was ordinary, but the bhaav was extraordinary!**



*O Parmatma! it just clicked "Aimutta muni"  
while reciting Irriyavahiyam Sootra!  
When will it click me?*

8 year old Aimutta muni played in water with a paper boat. On realising his mistake he repented immensely and started reciting Irriyaahiyam sutra. Due to deep repentance he attained Kevalgnan!

आठ वर्ष के अईमुत्ता मुनी ने अनजाने में पानी में पात्रा की नाव तैराई और फिर इरियावहियं का काउसग्ग कर प्रायश्चित्त किया और उसी क्षण उन्हें केवल ज्ञान की प्राप्ति हुई।



Kids let us minimise the use of water and give abhaydaan to these jeevs.  
बच्चों हमें भी कम से कम पानी का उपयोग कर पानी के जीवों को अभयदान देना चाहिए।



*O Parmatma! it just clicked “Bahubali”  
When he just lifted his first leg for doing Vandana!  
When will it click me?*

Brahmi & Sundari came to Bahubali and said, "You need to come down as you are sitting on an elephant, if you continue sitting there, you cannot attain liberation". On hearing this Bahubali realised that one can never attain salvation on the foundation of pride. He immediately let go of his ego and lifted his leg to do Vandana to his younger brothers and attained salvation.

ब्राह्मी-सुंदरी ने ध्यानस्थ बाहुबली से कहा "वीरा मोरा गज से नीचे उतरो" इस शब्द ध्वनि के कारण बाहुबली को अपने अहंकार का एहसास हुआ और जैसे ही अपने वरिष्ठ साधु भाईयों को वंदना करने अपना पैर उठाया की तुरंत ही उन्हें केवलज्ञान की प्राप्ति हुई।



**Kids we should show respect and perform 3 Vandana to Dev, Guru and Dharma.**

बच्चों हमें सदा देव गुरु धर्म के प्रति विनय भाव रखकर तीन वंदना करनी चाहिए।



*O Parmatma! it just clicked “Prasanchandra Rajashri”  
when he was in deep meditaion and thinking about  
his kingdom! When will it click me?*

Prasanachandra Rajashri was fighting a battle with enemies during his meditation, but the very next moment he realised he is a monk and deeply repented his lack of alertness and therefore attained Kevalgnan.

प्रसन्नाचंद्र राजश्री ने ध्यान में राजा बनकर शत्रु का सामना किया फिर उन्हें अपने मुनी होने का एहसास हुआ और प्रायश्चित्त किया तो नरकगति से देवगति का प्रयाण हुआ और केवलज्ञान की प्राप्ति हुई।



**Kids we must always stay in shubh bhaav due to which we can attain shubh gati.**

बच्चों हमें भी सदा शुभ भाव की भावना करनी चाहिए। भाव सुधारे भव।



*O Parmatma! it just clicked “Kapil Kevali”  
while he was engrossed in his greed for his future!  
When will it click me?*

Kapil kevali went to the king to ask just for one gold coin and ended up thinking of asking the whole Kingdom. However he felt ashamed of his own greed and he repented for his never ending desires and attained Kevalgnan.

कपिल केवली को धन वैभव की लालसा में राजा के पास माँगते, पूरा राज्य पाने की इच्छा हो गई और अपनी इन्द्रियों की परवशता के लिए खेद हुआ और पश्चाताप की पावन गंगा बहने लगी और केवल ज्ञान की प्राप्ति हुई।



Kids, we too should learn from this that it's never good to be greedy.

Let us be happy with what we have.

बच्चों हमें कभी, किसी भी वस्तु का लालच नहीं करना चाहिए और सदा संतुष्ट रहना चाहिए।



*O Parmatma! it just clicked “Gajsukumar”  
on the very first day of Diksha in a Cremation ground!  
when will it click me?*

Gajsukumar faced with a difficult situation when hot blazing fire was placed on his head but yet he kept his calm and attained Kevalgnan .

गजसूकुमार के मस्तक पर अग्नि का उपसर्ग आया और इस तीव्र उपसर्ग को समताभाव पूर्वक सहनकर केवलज्ञान की प्राप्त हुई और तत्पश्चात मोक्ष की प्राप्ति हुई।



I will never hold Grudges. I will learn to forget and forgive all living beings.

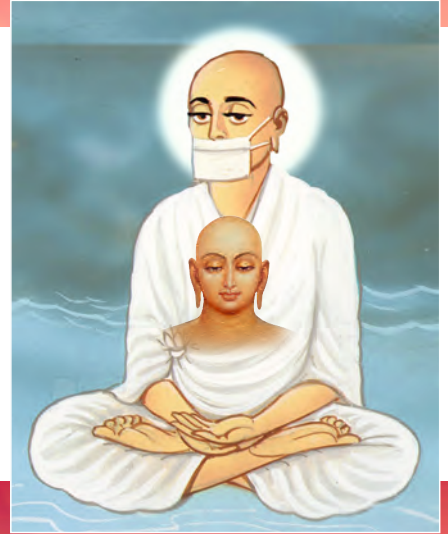
मैं कोई शिकायत अपने मन में नहीं रखूंगा, और मैं माफी मांगना और माफ करना सिखूंगा।



*O Parmatma! it just clicked “Gautam Swami”  
at the time of Nirvan Kalyanak of Shree Mahavir Swami,  
when will it click me?*

When Gautam swami was free from the feelings of attachment towards Bhagwan Mahavir, he attained Kevalgnan.

राग होने के कारण गौतम स्वामी प्रभु महावीर भगवान के इतने निकट होते हुए भी अपने आप को दूर महसूस किया इसी राग के पश्चाताप के भावों में वीतरागता का अनुभव कर केवल ज्ञान की प्राप्ति हो गई जाए।



Kids, let's chant Parmatma's name such that we always find him within us!

बच्चों हम प्रभु का नाम स्मरण ऐसे करें कि सदा प्रभु को निकट पाए।



*O Parmatma! it just clicked “Ilaichi Kumar”  
while performing on a rope!  
when will it click me?*

Ilaichi Kumar destroyed all his Mohaniya karma while dancing on a rope and achieved Kevalgnan.

इलायची कुमार के मोहनीया कर्म रस्सी पर नृत्य करते करते क्षय हो जाते हैं और उन्हें केवलज्ञान की प्राप्ति होती है।



Kids, we should also aspire to immerse ourselves in Parmatma's bhakti and we too shall achieve Kevalgnan as we dance in Devotion.

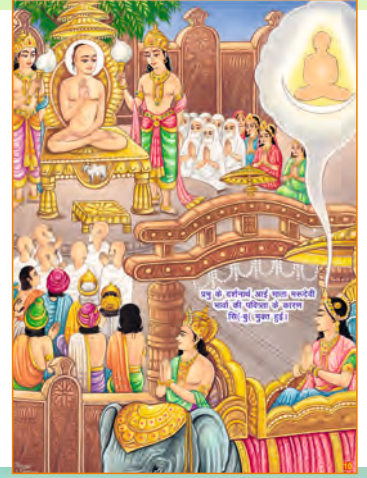
बच्चों हमें भी भावना करनी है कि प्रभु भक्ति में हम लीन हो जाए और भक्ति नृत्य करते करते हमें भी केवलज्ञान की प्राप्ति हो जाए।



*O Parmatma! it just clicked “Marudeva Mata”  
while she was sitting on an elephant during Prabhu darshan  
when will it click me?*

When Marudeva Mata worshipped her son Shree Rushabhdev Bhagwan in the Samavsaran, she sheds her Mohaniya karma and achieved Kevalgnan.

पुत्र प्रेम में ओझल मरुदेवा माता जब समवशरण में श्री ऋषभदेव भगवान के दर्शन करने जाते हैं तब उनके मोहनीय कर्म क्षय हो जाते हैं और उन्हें केवलज्ञान की प्राप्ति होती है।



Kids, we too should get rid of outer connections and attach ourselves to our inner self.

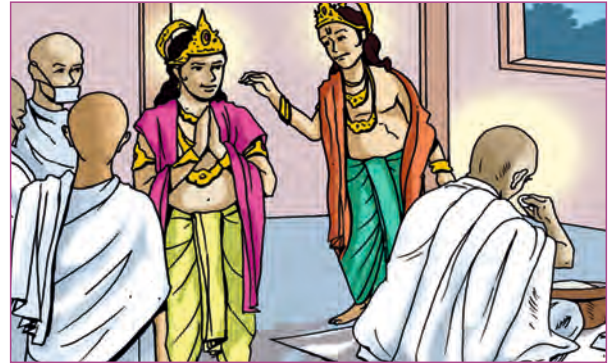
बच्चों हमें भी पर से दूर होकर, स्व के साथ... अपनी आत्मा के साथ नाता जोड़ना चाहिए।



*O Parmatma! it just clicked “Kurgudu muni”  
while eating rice!  
when will it click me?*

The spit in the rice bowl did not arouse feelings of aversion. His feelings of repentance, that he could not practice penance led him to attain Kevalgnan while eating rice!

तप के अनासक्त भाव के कारण मुनियों द्वारा पात्रा में पड़े चावल पर थुक को प्रसाद समझकर ग्रहण किया और चावल खाते-खाते केवलज्ञान की प्राप्ति हुई!



Kids, whenever we eat we must keep ourselves detached from the food (no likes or dislikes).

बच्चों जब भी हम भोजन ग्रहण करें तब भोजन के प्रति अनासक्त भाव रखने चाहिए।





*O Parmatma! it just clicked “Mrugavati”  
while doing Aalochana,  
when will it click me?*

When Mrugavati reached the dharma sthanak it was already pitch dark. She admitted her mistake to her Guru and repented for the same. In deep repentance she attained Kevalgnan.

जब मृगावती प्रभु दर्शन कर, धर्मस्थानक पहुँचे तब तक संध्या हो जाने के कारण अपनी भूल का गुरु के समक्ष प्रायश्चित्त किया और केवल ज्ञान की प्राप्ति हुई।



Kids let us also be honest and responsible for our actions and deeds and confess the same to the Guru.

बच्चों हमें भी सदा निर्मल रहना चाहिए और गुरु समक्ष अपनी भूलों का प्रायश्चित्त करना चाहिए।



*O Parmatma! it just clicked “Skandhak muni”  
while bearing immense pain and meditating  
that Body and Soul are different, when will it click me?*

Being proud of the skill of being able to peel the skin of a fruit, led Skandhak muni to a situation where his skin was being peeled from his body. The state of equanimity during this torturous situation led him to Kevalgnan.

केवल एक फल की खाल उतारने पर इतना गर्व किया जिस कर्म के उदय के कारण अपने देह की खाल उतारने का उपसर्ग आया। इस उपसर्ग में समता भाव रखने से केवलज्ञान की प्राप्ति हुई।



Kids we should avoid binding ashubh Karma by staying calm on achieving success.  
बच्चों किसी भी कार्य में सफलता मिलने पर गर्व नहीं करना चाहिए जिससे हमारे अशुभ कर्मों का बंध ना हो।

You can do Mandala art in the Aatma given and frame it in your room as a reminder to attain Kevalgnan



# KEVALGNAN

10<sup>th</sup> November 2020

18

LÖÖK n LEARN

# A Ladder to Moksh! Manushya Bhav



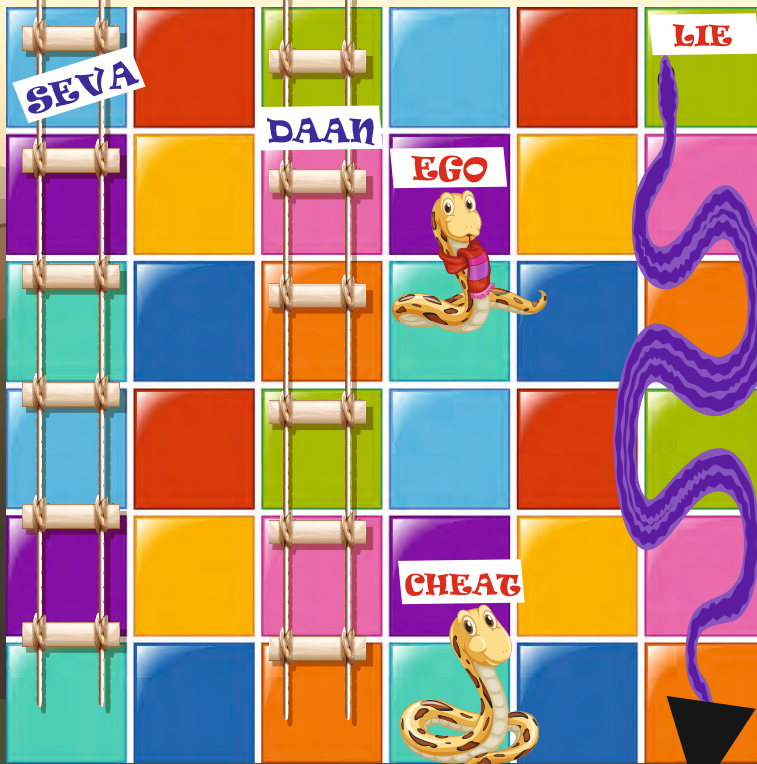
If I do good deeds, if I spend my time in seva, bhakti, sadhana, dhyana etc then I will have the privilege of my next birth in Mahavideh Kshetra where in Sanidhya of Arihant Parmatma, I can take Diksha and reach Moksh.

## Mahavideh Kshetra



Good deeds act like ladder, they take you straight away to Mahavideh Kshetra!

Bad deeds act like snake, they take you straight away to 6<sup>th</sup> Era or Narak!



If I do bad deeds, if I spend my time in anger, ego, deceit, greed, rudeness etc then I will have to spend my next birth in 6<sup>th</sup> era that is Dukham-Dukham, which will be like...



Only fish to eat



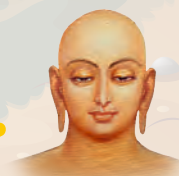
People as small as Lilliput



No clouds, Less water, No fire!



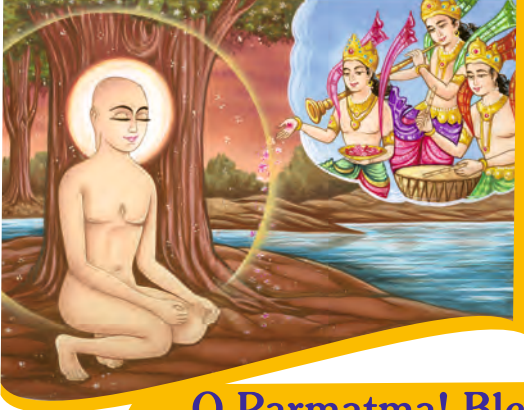
No relations, No friendship, Only enmity



No Dev, No Guru, No Religion



No School, No Hospital, No Hotel etc



Parmatma Mahavir attained Nirvan on the day of Diwali, on hearing this, Gautam Swami was in wail. The minute he realized and let go of his attachment towards Parmatma Mahavir, he also attained Kevalgnan.

**Let's celebrate this Diwali and pray,**

O Parmatma! Bless me,  
 I too will attain Kevalgnan in your  
 Sharan and Charan!



If anybody scolds me, let my Bhaav be like **Mrugavati!**

If anyone punishes me, let my Bhaav be like **Skandhak Muni!**

If I show raag, let my Bhaav be like Mata **Marudeva!**

Whenever I eat rice, let my Bhaav be like **Kurgudu Muni!**

Whenever I express Bhakti, let my Bhaav be like **Ilaichi Kumar!**

Whenever I do Vandana, let my Bhaav be like **Bahubali!**

If I get carried away by greed, let my Bhaav be like **Kapil Kevali!**

When I repent for my mistakes, let my Bhaav be like **Gajjasukumal!**

Whenever I deal with sachet water, let my Bhaav be like **Aimutta Muni!**